डॉ. सुशील कुमार त्रिपाठी,
(सहबद्ध संकाय, राजनीति विज्ञान विभाग)
पाठ्यक्रम संयोजक एम.ए. राजनीति विज्ञान, दूर शिक्षा निदेशालय,
मो. 7052005100

जिन विद्यार्थियों ने एम.ए. राजनीति विज्ञान में द्वितीय वर्ष में प्रवेश लिया है ऐसे सभी विद्यार्थियों की सूची निदेशालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आप सभी प्रवेशित विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि एम.ए. राजनीति विज्ञान के द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य अपने आवंटित अभ्यास केंद्र पर लिखकर **30 नवंबर 2021** तक अपने अभ्यास केंद्र/निदेशालय में प्रस्तुत करें।

1. प्रस्तुत सत्रीय कार्य को ''स्वयं मेरे द्वारा सत्रीय कार्य पूरा करने के पश्चात प्रस्तुत किया जा रहा है '' लिखकर एवं स्व-प्रमाणित/हस्ताक्षरित कर प्रेषित करें।
2. सत्रीय कार्य लेखन के लिए केवल फुलस्केप (A4) आकार के कागज़ का ही इस्तेमाल करें एवं एक ही तरफ लेखन कार्य करें।
3. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
4. अपनी हस्तलिपि (Hand Written) में ही लेखन कार्य करें।

प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानी पूर्वक अध्ययन करें।

1. प्रश्नों को ध्यान पूर्वक पढ़ने के पश्चात, पूछे गए प्रश्नों का ही उत्तर लिखें।
2. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया प्रति अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ!

(सुशील कुमार त्रिपाठी)
पाठ्यक्रम संयोजक
एम.ए. राजनीति विज्ञान
मो. न. 7052005100
ई-मेल – drshil.anand@gmail.com

उद्देश्य -

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें एवं अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह कि निदेशालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप उसी रूप में प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यवहारिक रूप से सोच विचार करके अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यवहारिक ज्ञान, आलोचनात्मक मूल्यांकन, विद्वानों के बारे में आपकी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन आपक परीक्षक उपरोक्त बातों को ध्यान में रखकर करेंगे।

निर्देश -

सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढिए एवं इनका अनुपालन करें–

1. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएं सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम , पूरा पता और दिनांक लिखें।
2. अपनी उत्तर पुस्तिका की बाई ओर पाठ्यक्रम का नाम, प्रश्न पत्र का शीर्षक एवं कोड संख्यास्पष्ट लिखें।

(Cover Page) उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से प्रारंभ होगा:

अध्ययन केंद्र का नाम : ....
पंजीयन संख्या : ....
नामांकनसंख्या : ....
नाम : ....
पता : ....
...
मो. : ....
ई-मेल : ....
दिनांक : ....

पाठ्यक्रम का नाम : एम.ए. राजनीति विज्ञान
पश्न पत्र का शीर्षक : ....
प्रश्न – पत्र कोड : ....

(विद्यार्थी का हस्ताक्षर)

दूरशिक्षा निदेशालय

एमए **राजनीति विज्ञान** / चतुर्थ सेमेस्टर

पूर्णांक-30

प्रश्न पत्र का कोड एवं नाम- (एमएपीएस-20) भारत एवं अंतरर्राष्ट्रीय संबंध

नोट- निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

1-भारतीय विदेश नीति के उद्देश्य एवं सिद्धांत का वर्णन कीजिये

2- भारत और अमेरिका के बीच संबंध का विश्लेषण कीजिये

3- भारत-चीन के मध्य विवाद के प्रमुख मुद्दों की व्याख्या कीजिये

4- संयुक्त राष्ट्र के लोकतंत्रीकरण हेतु भारत द्वारा किये जा रहे प्रयासों का विश्लेषण कीजिये

5-भारत की समसामयिक विदेश नीति का मूल्यांकन कीजिये

दूरशिक्षा निदेशालय

एमए **राजनीति विज्ञान** / चतुर्थ सेमेस्टर

पूर्णांक-30

प्रश्न पत्र का कोड एवं नाम- (एमएपीएस-21) दक्षिण एशिया में शासन एवं राजनीति

नोट- निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

1-दक्षिण एशिया के भौगोलिक स्थिति की महत्ता का वर्णन कीजिये

2-पाकिस्तान की राजनीति में कट्टरपंथी तत्वों की भूमिका का विश्लेषण कीजिये

3-नेपाल के संवैधानिक विकास का विश्लेषण कीजिये

4- अफगानिस्तान के वर्तमान राजनीतिक स्थिति का विश्लेषण कीजिये

5- दक्षिण एशिया की राजनीति में दक्षेस की भूमिका का मूल्यांकन कीजिये

दूरशिक्षा निदेशालय

एमए **राजनीति विज्ञान** / चतुर्थ सेमेस्टर

पूर्णांक-30

प्रश्न पत्र का कोड एवं नाम- (एमएपीएस-22) प्रमुख राष्ट्रों की विदेश नीति

नोट- निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

1-संयुक्त राज्य अमेरिका के विदेश नीति का विश्लेषण कीजिये

2- सोवियत संघ की विदेशनीति पर बोल्शेविक क्रांति के प्रभावों का मूल्यांकन कीजिये

3-माओत्सेतुंग कालीन चीन की विदेश नीति की व्याख्या कीजिये

4-द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की ब्रिटेन की विदेश नीति का मूल्यांकन कीजिये

5-फ्रांस की समसामयिक विदेशनीति का विश्लेषण कीजिये।

दूरशिक्षा निदेशालय

एमए **राजनीति विज्ञान** / चतुर्थ सेमेस्टर

पूर्णांक-30

प्रश्न पत्र का कोड एवं नाम- (एमएपीएस-24) **अंतरराष्ट्रीय विधि**

नोट- निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

1. अंतर्राष्ट्रीय विधि के अर्थ एवं क्षेत्र की व्याख्या कीजिए।

2. अंतर्राष्ट्रीय विधि आयोग की कार्यप्रणाली का वर्णन कीजिए।

3. अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के क्षेत्राधिकार का वर्णन कीजिए।

4. मानवाधिकार का अर्थ एवं इसके स्रोतों की व्याख्या कीजिए।

5. अंतर्राष्ट्रीय विधि के क्षेत्र में प्रत्यर्पण के सामान्य नियम कौन से हैं।

दूरशिक्षा निदेशालय

एमए **राजनीति विज्ञान** / चतुर्थ सेमेस्टर

पूर्णांक-30

प्रश्न पत्र का कोड एवं नाम- (एमएपीएस-26) **मानवाधिकार**

नोट- निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

प्रश्न संख्या 1-मानवाधिकार के दर्शन की विस्तार पूर्वक व्याख्या कीजिये

प्रश्न संख्या 2- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार के विकास के विभिन्न चरणों की व्याख्या कीजिये

प्रश्न संख्या 3- भारतीय संविधान में नीहित मानवाधिकार के मुद्दों का विश्लेषण कीजिये

प्रश्न संख्या 4- मानवाधिकार संरक्षण में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की भूमिका पर प्रकाश डालिये

प्रश्न संख्या 5- मानवाधिकार के समक्ष महत्वपूर्ण चुनौतियों की व्याख्या कीजिए